सोमवार से शुरू होगी सोनाली की सर्जरी

नई दिल्ली (एसएनबी)। तेजाबी हमले की शिकार सोनाली मुखर्जी की सोमवार को 24वीं टोटल फेशियल रिकंस्ट्रक्शन और मल्टी-ऑर्गन इन्वॉल्वमेंट के तहत पहली अत्याधुनिक सर्जरी की जाएगी। अगले 12 माह के दौरान 6-7 ऑपरेशन होंगे, जिन्हें विशेषज्ञों की 6 टीमें अंजाम देंगी। ताकि वह नया चेहरा पा सकें और वह एक बार फिर से सामान्य जीवन जी सकें। उसे 14 अगस्त को बीएल कपूर मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 18 सदस्यीय डॉक्टरों की टीम इस सर्जरी को अंजाम देगी जो कई मायनों में खास होगी। अस्पताल में रेडिएंट लाइफ केयर के सीईओ, डीन व निदेशक पद्मश्री डा. संजीव बगई ने बृहस्पतिवार को प्रेस कॉफ्रेंस में कहा कि सोनाली की अब तक जो सर्जरियां हुईं वे ऐसे अस्पतालों में की गईं, जहां पर पर्याप्त सुविधाएं नहीं थी। प्लास्टिक व रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी विभाग के प्रमुख सेवानिवृत मेजर जनरल डा. एएस बाथ व उनकी टीम ने सोनाली की सर्जरी के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई है। डॉ बाथ ने कहा कि जिन प्रक्रियाओं को अपनाया जाएगा वे अत्यंत जटिल व महंगी हैं।

- ▶ तेजाबी हमले में घायल हो गई थी सोनाली मुखर्जी
- ▶ 18 डॉक्टरों की 6 टीमों द्वारा यह दुर्लभ सीरियल सर्जरी की जाएगी
- ▶ दावा : 12 महीनों के दौरान 7 सर्जरियों के बाद सोनाली सामान्य जीवन जीएगी

डाक्टरों की टीम के साथ सोनाली चटर्जी।

डॉक्टर बने भगवान : सोनाली के पिता ने सरकार से इच्छामृत्यु की अनुमति पाने के लिए याचिका दी थी। यह कहते-कहते उसके पिता चंडीदास मुखर्जी फफक पड़े। उन्होंने अपनी बेटी का नाम लेते हुए कहा कि वह एक बार फिर एक नई जिंदगी का सपना देख रही है। यह भगवान का सबसे बड़ा वरदान है जो उसे मिला है। सोनाली जब अच्छे मूड में होती है तब वह कहती है इच्छा मृत्यु के लिए मुझे आवेदन नहीं करना चाहिए था। मीडिया और बेटी एनजीओं में काम करने वाले अच्छे लोग भी है। जिनकी सहायता से इलाज पर होने वाले खर्च होने वाली 30 लाख रुपये की राशि अस्पताल प्रशासन की ओर से मिली है। **जटिलताएं :** इस हमले का नतीजा इतना भयंकर हुआ कि गहराई तक कॉर्निया जल जाने की वजह से सोनाली अपनी दोनों आंखें खो बैठी, उसका दांया कान नष्ट हो गया और वह लगभग बहरी हो गई, उनके कान के पर्दे खत्म हो गए, चेहरे के उतकों और माथे, गालों, गाल की हड्डियों, गर्दन की मांसपेशियों पर गहरे जख्म हो गए तथा उसकी पीठ, छाती, बाजू पूरी तरह जल गए। इसके कारण लगभग हर महत्वपूर्ण भीतरी अंग पर कैमिकल बर्न इंजरी हो गई इसके अलावा पीड़िता भारी मनोवैज्ञानिक यातना का शिकार हुई। अस्पताल में दाखिल होने से पूर्व सोनाली देख-सुन नहीं सकती, उसका चेहरा बुरी तरह जख्मी है, उसकी पीठ व छाती पर न के बराबर उत्तक हैं, बाजू व गर्दन की मांसपेशियों के बुरी तरह सिकुड़ जाने से वह भारी शारीरिक अपंगता से जूझ रही है।